शिव शंकर कैलाशी | By Sonal Chanchal

भोले शंकरा.....
भोले शंकरा.....

भांग धतूरा भोग लगाए, नंदी संग बिराजे
अघोरियों के देव निराले, अंग भभूति साजे

जय शिव, भोले जय शिव

शमशानों के वासी भोले अजर अमर अविनाशी
शिव शंकर कैलाशी हर हर शिव शंकर कैलाशी

सर पर गंग बिराज रही है दण्ड कमण्डलधारी
सर डमरू त्रिशूल है शोभत शोभा लगती न्यारी
पूरी करते हर अभिलाषा.....ॐ नमः शिवाये
पूरी करते हर अभिलाषा चाहे जो अभिलाषी
शिव शंकर कैलाशी हर हर शिव शंकर कैलाशी

मस्तक शशि त्रिकुंड सजाये गल सर्पों की माला
तन पर भस्म लपेटे अद्भुत, पहने है मृगछाला
घाट घाट है राज तुम्हारा.....ॐ नमः शिवाये
घाट घाट है राज तुम्हारा हरिद्वार और काशी
शिव शंकर कैलाशी हर हर शिव शंकर कैलाशी

मनवांछित फल देने वाले भोला औघड़ दानी
भांग धतूरा भोग लगाए कोई नहीं है सानी
नीरज बिन मांगे दे देते.....ॐ नमः शिवाये
नीरज बिन मांगे देते, यश वैभव धनराशि
शिव शंकर कैलाशी हर हर शिव शंकर कैलाशी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b6%e0%a5%80-by-sonal-chanchal/